राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 22 मार्च, 1985

कमांक 269-ज-(II)-85/9213.--श्री खेम घाद, पूज श्री हुनमा, गांच पहतादगढ़, तह्सील व जिला भिवानी, की दिनांक 11 फरवरी, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामरदरूप हरियाणा के राध्यपाल, पूर्व प्रजाब युद्ध पुरुरकार मधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है मंद उसमें आज तक सशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री छेम घाद की मृत्लिण 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 4834-र-111-69/28690, दिनांक 3 दिसम्बर, 1969, 5041-आर-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती प्रेमी देवी उर्फ सरती के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्यांक 275-ज (II)-85/9217.—श्री भरत सिंह, पुत्र भी हरसरूप, गांव लाढ़ौत, तहसील व जिला रोहतक, की दिनांक 19 फरवरी, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (वैशा कि उसे हरियाणा राज्य मं धपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संबोधन किया गया है) भी भारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के प्रधीन प्रदान की गई शाक्तयों का प्रयोग करते हुए श्री भरत सिंह को मृश्मिग 300 रुपये गार्थिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिस्वना कमाक 204-आर-(4)-66/906, दिनांक 11 अप्रैल, 1967, 5041- भार-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1788-ज-(1)-79/44040, दिनांक 30 अन्तूबर, 1979 हारा मजूर की गई थी, प्रश्न उसकी विधवा, श्रीमदी मान कार के नाम खराफ, 1984 से 300 क्यये गांवक की दर से सनद में दी गई गति अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनाक 23 मार्च, 1985

क्यां 282-ज-(II)-85/9373.—श्री हरनन्द सिंह, पुत्र श्री नेकी राम, गांव तलाव, तहसीन झज्जर, जिला रोहतक, की दनांक 18 श्रक्तूवर, 1983 की हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुक्कार प्राथितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य म भपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संबोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई श्राक्तियों का श्रयोण करते हुए श्री हरनन्द सिंह की मुक्तिय 300 क्यं वाविक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिसुचना क्रमाक 46 32-र-(111)-69/28685, दिनांक 3 दिसम्बर, 1969, 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 हारा संबूर की गई थी, धव उसको विधवा धोमती लच्छमी देवी के नाम खरीफ़, 1984 से 300 क्यं वाविक का दर से सनद में 4 गई कतों के भावगंत प्रदान करते हैं।

कांक 215-ज-(II)-85/9377. —श्री छोटू राम, पूज श्री गुरदयान, गांव कवलाना, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, की हिनाक 20 ग्रगस्त, 1979 को हुई मृत्यु के परिणामस्यक्ष्य, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संगोधन किया गया है) की घारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के भ्रवीन प्रदान को गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री छाटू रान का पृक्लिय 150 एपये वाधिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की भिक्षमुचना क्ष्माक 6222-ज-(I)-70, 2269, दिनाक 25 जनवरी, 1971 तथा 1789-जे-(I)-79/44040, दिनाक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंत्रूर की गई थी, भन उसकी विद्यवा श्रीमती छोटी के नाम रबी, 1980 स 300 धार्य वाधिक को दर स सनद में दी गई शती के भन्त्यात प्रवान करते हैं।

कमांक 308-ज-(I)-85/9486 - पूर्वी पंजाब मुद्ध पुरुस्कार शिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है मार उसमें आक्रतक संबोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री प्यारे लाल शर्मा अती, पुत्र श्री रामनारायण, गांव फतेगढ़, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के अनुसार सहुष्य अयान करते हैं।